विचार बिन्दु

किसी भी हालत में अपनी शक्ति पर अभिमान मत कर, यह बहरूपिया आसमान हर घड़ी हजारों रंग बदलता है। - हाफ़िज़

हमारी जिंदगानी का अहम हिस्सा बन गया है इंटरनेट

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया और अंतर्दृष्टि एवं परामर्श कंपनी ने हाल ही अपनी एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 2025 में 90 करोड़ करोड़ के पार होने वाली है। यह इजाफा डिजिटल कंटेंट के लिए भारतीय भाषाओं के बढ़ते इस्तेमाल से प्रेरित है। इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट-2024 के मुताबिक, भारत में एक्टिव इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की तादाद 2024 में 88.6 करोड़ तक पहुंच गई है, जो सालाना आधार पर आठ फीसदी की मजबूत वृद्धि है।

देश और दुनिया में दिन-ब-दिन इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए उपयोग में लाते थे और अब यह बड़ों से बच्चों के हाथों में पहुँच कर हमारी जिंदगानी का अभिन्न और अहम हिस्सा बन गया है। आज बिना इंटरनेट जीवन अधूरा लगता है। इंटरनेट हमारी दिनचर्या में पूरी तरह घुलमिल गया है। इंटरनेट का सबसे बड़ा फायदा यही है, कि इसकी वजह से विश्व एक परिवार बन गया है। भारत की बात करे तो आज इंटरनेट ने देश के महानगरों से होते हुए गांव गुवाड़ तक आसानी से अपनी पहुँच बना ली है। भारत में इस वर्ष इंटरनेट यूज़र्स की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। 140 करोड़ की आबादी वाले देश में 90 करोड़ लोगों तक इंटरनेट पहुँच गया है। हमारे जीवन के रोजमर्रा के अधिकांश कार्य के लिए इंटरनेट पर निर्भरता को देखते हुए इस युग को इंटरनेट का युग कहा जाने लगा है। चाहे पढ़ाई हो या मनोरंजन या फिर किसी तरह का मार्गदर्शन लेना हो, सभी इसके लिए इंटरनेट का सहारा ले रहे हैं। मोबाइल, कंप्यूटर से जुड़ा इंटरनेट घर बैठे दुनियाभर की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध करा देता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की कुल इंटरनेट आबादी का55 प्रतिशत हिस्सा (48.8 करोड़) ग्रामीण भारत से है। देश में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 47 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। ग्रामीण यूजर्स इंटरनेट का इस्तेमाल करने में रोज 89 मिनट बिता रहे है। जबकि, शहरों में ये आंकड़ा 94 मिनट है। रिपोर्ट के अनुसार देश के 98 प्रतिशत यूजर्स भारतीय भाषाओं में इंटरनेट का इस्तेमाल करतेहैं। इनमें से 57 प्रतिशत शहरी आबादी का हिस्सा है। डिजिटल कंटेंट के लिए भारतीय भाषाओं के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से शहरों मे हिंदी, मराठी, तमिल, गुजराती, तेलुगु, और बंगाली भाषा का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। रिपोर्ट में भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल को इंटरनेट उपयोग में वृद्धि का अहम कारण माना गया है। भारत की इंटरनेट अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार है, उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह 2030 तक 1 ट्रिलियन तक पहुंच जाएगा। वहीं केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर के अनुसार 2026 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद ( ) में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान 20 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की कुल इंटरनेट आबादी का55 प्रतिशत हिस्सा (48.8 करोड़) ग्रामीण भारत से है। देश में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 47 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है।

इंटरनेट का मतलब है इंटरनेशनल नेटवर्क यानी पूरे विश्व के नेटवर्क को इंटरनेट करते हैं। तथा इसको हिंदी में अंतरजाल कहते हैं। एक ऐसा नेटवर्क जिसे पूरी दुनिया के कंप्यूटर आपस में एक तार से जुड़े होते हैं। या हम यह भी कह सकते हैं कि पूरी दुनिया के सारे कंप्यूटर मकड़ी के जाल की तरह आपस में एक दूसरे से ही जुड़े हुए हैं। वैसे आमतौर पर आम भाषा में इसे केवल नेट करके ही बोला जाता है। इंटरेस्ट को वर्ल्ड वाइड वेब के नाम से भी जाना जाता है। वेब यानी कि इसका अर्थ तरंगों से होता है। आज देश और दुनिया के लगभग सभी घरों में ऑनलाइन पढ़ाई, खरीदारी, मनोरंजन और अन्य कामों के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा है।

आज से बीस तीस साल पहले लोगों ने इंटरनेट का नाम तक नहीं सुना था मगर देखते देखते आज इंटरनेट आज हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आज हम हर छोटी-छोटी चीजों के लिए इंटरनेट पर सर्च करते हैं। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। बहुत से लोगों का मानना है इंटरनेट के माध्यम से आमजन का जीवन आसान हो गया है क्योंकि इससे हम घर के बाहर गए बिना ही अपना बिल जमा करना व्यापारिक लेन -देन करना सामान खरीदना आदि काम कर सकते है.अब ये हमारे जीवन का खास हिस्सा बन चुका है। यहाँ तक की खाने पीने का सामान भी इंटरनेट से मंगाते है। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग और मध्यम वर्ग के लोगों में इंटरनेट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

परन्तु जहां एक तरफ इंटरनेट हमारे लिए वरदान साबित हो रहा है वहीं दूसरी ओर इंटरनेट के अत्याधिक इस्तेमाल से यह नुक्सान दायक साबित हो रहा है। इंटरनेट ज्ञान का खजाना है यह कहते हम थकते नहीं है। निश्चय ही यह हमारी जिंदगी में एक वरदान बनकर आया है मगर इसके दुरूपयोग ने हमें उजाले से अँधेरे में धकेलते देर नहीं लगायी यह भी एक सच्चाई है। पोर्न फिल्मे इंटरनेट की देन है। आज का युवा ज्ञान के स्थान पर अश्लीलता के अंधे कूप में गिर रहा है। यह सोचने और विचारने की बात है। इंटरनेट क्रांति ने सूचना तकनीक के क्षेत्र में जहाँ नए आयाम स्थापित किये है वहां इसके दुष्परिणामों से भी दो दो हाथ करने पड़ रहे है। विशेषकर पढ़ने वाले बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं। उनका बचपन और शैक्षिक जीवन इंटरनेट के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों से सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है उसने छात्रों की जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। मौजूदा दौर में बच्चों में खेलकूद और पढाई का स्थान इंटरनेट ने ले लिया है। इसका सीधा प्रभाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ा।शहरों के साथ अब गांवों में भी मोबाइल की पहुँच होने से बच्चों में इंटरनेट की लत बढ़ गई है। इससे उनमें संवादहीनता का खतरा बढ़ रहा है। बच्चे के ऐसे व्यवहार को अनदेखा करने की जगह इस पर सजग और सावधान होने की जरूरत है।आवश्यकता इस बात की है की हम नए जमाने को अपनाने के साथ उसकी बुराइयों पर भी निगाह रखे ताकि बचपन को गुमराह होने से बचाया जा सके।

अतिथि संपादक
बालमुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

शनिवार राशिफल 1 फरवरी 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास शुक्ल पक्ष, तृतीय तिथि, शनिवार, विक्रम सम्वत 2081, पूर्वा भाद्रप्रद नक्षत्र रात्रि 3.33 तक, परिद्य योग दिन 12.24 तक, गरकरण दिन 11.39 तक चन्द्रमा रात्रि 8.58 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा। आज गौरी तृतीया तिथि, विनायक चतुरथी, वरद और कुंद चतुरथी, तिल चौथ पंचक है।

श्रेष्ठ चौघडिया - शुभ 8.33 से 9.58 तक, चट 12.40 से 2.01 तक, लाभ-अमृत 2.01 से 4.43 तक।

राहुकाल - 9.00 से 10.30 तक, सूर्योदय 7.16 सूर्यास्त 6.04

मेष

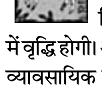

आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाऐं बडेगी।

वृष

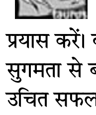

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता-सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन

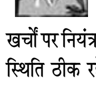

व्यावसायिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। नवीन कार्यो के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क

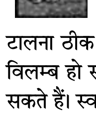

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह

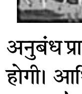

व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक विवादों का निपटारा हो सकता है।

कन्या

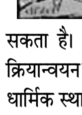

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा सम्भव हैं।

तुला

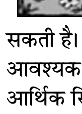

परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता हो सकती है। आज समय रचनात्मक और आवश्यक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

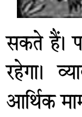

घर-परिवार में धार्मिक सामाजिक समारोह संपन्न हो सकते हैं। परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में सहयोग मिल सकता है।

धनु

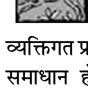

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

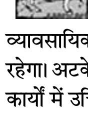

व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा सम्भव है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ

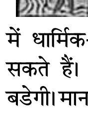

घर-परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाऐं बडेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मीन

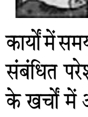

पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी। अर्नगल कार्यों में समय खराब होगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

लोगों की घटती सेविंग और क़र्ज़ का बढ़ता बोझ : हो सकती है NBFC और बैंकों के लिए खतरे की घंटी?

सुनील दत्त गोयल

पिछले कुछ वर्षों में भारत में एक नया दौर शुरू हुआ है, जहाँ सभी बैंकों के डिपॉजिट्स में तेजी से गिरावट आ रही है। इसकी एक प्रमुख वजह यह है कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का सेल्स डिपार्टमेंट बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। उन्हें वहाँ अच्छा कमीशन मिलता है, और वे फ्रीलांस आधार पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा, वे घर-घर जाकर sip (मासिक, तिमाही या साप्ताहिक) के जरिए निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे निवेशकों के खाते से ऑटोमेटिक डेबिट के माध्यम से धन एकत्र होता रहता है। यही कारण है कि भारत अब एक "सेविंग कंट्री" से "इन्वेस्टिंग कंट्री" की ओर बढ़ रहा है।

हालांकि, इसका एक बड़ा नुकसान यह है कि जब बैंकों में डिपॉजिट्स, विशेष रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट्स, कम होंगे, तो बैंक व्यापार और उद्योगों को ऋण (लोन) कहाँ से देंगे? बैंकों का मुख्य लाभ जमा (डिपॉजिट) और ऋण (लोन) के बीच के अंतर से आता है। यदि बैंकों के पास पर्याप्त जमा नहीं होंगे, तो उनकी देनदारी (लायबिलिटी) कम होगी और संपत्ति (एसेट्स) भी नहीं बढ़ेगी। बैंकों की बैलेंस शीट में डिपॉजिट उनकी लायबिलिटी होती है, जबकि ऋण (लोन) उनकी एसेट्स होती हैं। वर्तमान में यह अनुपात तेजी से खराब हो रहा है।

एक अन्य कारण यह भी है कि पिछले कुछ वर्षों, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के बाद, कई कंपनियाँ खुद को डेट-फ्री बनाने की दिशा में बढ़ी हैं। इसके परिणामस्वरूप, उन्होंने अपने बकाया ऋण तेजी से चुकता कर दिए, जिससे बैंकों के पास उधार लेने वाले ठााहकों की संख्या घट गई। अब न तो बड़े उद्योग बैंक ऋण लेने आ रहे हैं और न ही छोटे व्यवसाय, क्योंकि उनके पास पूंजी जुटाने के अन्य कई स्रोत उपलब्ध हैं, जैसे विदेशी संस्थागत निवेशक (FLII), स्टार्टअप फंडिंग, वेंचर कैपिटल, एंजल इन्वेस्टर्स, विदेशी ADR/GDR IP एडीआर/जीडीआर, बॉन्ड्स आदि। इन विकल्पों के चलते बैंकिंग सेक्टर की लेंडिंग में भारी गिरावट आई है।

बचत में गिरावट: भारतीय परिवारों की वित्तीय स्थिति पर संकट के बादल :-भारतीय परिवारों की बचत दर 2022-23 में जीडीपी के मात्र 18.4 प्रतिशत तक सिमट गई, जबकि 2013 से 2022 के बीच यह औसतन 20 प्रतिशत थी। घरेलू बचत में भी तेज गिरावट दर्ज की गई, जहां 2023 में यह 28.5 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले दशक में इसका औसत 40 प्रतिशत था। इसी तरह, 2013-2022 के दौरान लोग अपनी आय का औसतन 8 प्रतिशत बचाते थे, लेकिन 2023 में यह घटकर सिर्फ 5.3 प्रतिशत रह गया।

लोगों पर बढ़ता कर्ज और डिफॉल्ट का खतरा :-आरबीआई की फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट के अनुसार, 50 से अधिक पर्सनल लोन धारक एक साथ तीन या अधिक लोन की किश्तें भर रहे हैं, जिससे डिफॉल्ट का जोखिम बढ़ गया है। एनबीएफसी और स्मॉल फाइनेंस बैंकों से पर्सनल और कंज्यूमर लोन लेने वाले आधे से अधिक लोगों ने बीते छह वर्षों में तीन या उससे अधिक लोन लिए हैं। चिंताजनक बात यह है कि कई लोग पुराने कर्ज को चुकाने के लिए नया लोन ले रहे हैं, जिससे वित्तीय अस्थिरता बढ़ती जा रही है।

छोटे लोनधारकों पर बढ़ता दबाव : 50,000 से कम के पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों को वसूली के दौरान प्रताड़ना और दुर्व्यवहार जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी मानसिक और आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक खतरनाक परिणाम यह हुआ कि बैंकों ने NBFCs (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) को बड़े पैमाने पर ऋण देना शुरू कर दिया, जिससे उनकी खुद की लोन बुक ठीक बनी रहे।

हालांकि NBFCs, की फंडिंग में एक बड़ा जोखिम है, क्योंकि कई NBFC कंपनियों की ऋण वसूली (रिकवरी) संदेहास्पद है। जब किसी सेक्टर में बड़े पैमाने पर कर्ज दिया जाता है, तो राजनीतिक हस्तक्षेप, क्षेत्रवाद और जातिवाद जैसी समस्याएँ बढ़ती हैं, जिससे ऋण वसूली मुश्किल हो जाती है। आने वाले समय में यह स्थिति NBFCs के लिए संकटपूर्ण साबित हो सकती है। बैंक, बिना किसी सख्त नीति के, NBFCs को ऋण दे रहे हैं, जो गलत है। RBI ने इस पर पहले भी कई बार चेतावनी दी है कि NBFCs को पुनर्वित्त (रिफाइनेंसिंग) करने में सावधानी बरती जाए और उनके लिए एक निश्चित प्रतिशत से अधिक का जोखिम (एक्सपोज़र) न लिया जाए। परंतु, अधिकांश बैंक इन दिशानिर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। यदि यह स्थिति बनी रही, तो NBFCs में बढ़ता NPA (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) बैंकिंग सेक्टर के लिए एक गंभीर खतरा बन सकता है।

यदि बैंक और NBFCs इस तरह काम करते रहे, तो एक नया वित्तीय संकट खड़ा हो सकता है, जैसा कि पाँच साल पहले भारतीय बैंकिंग सेक्टर में बढ़ते NPA की वजह से हुआ था। यदि NBFCs डूबने लगें, तो यह बैंकों के लिए भी एक चक्रव्यूह बन जाएगा, जिससे अंततः बैंकिंग सिस्टम भी अस्थिर हो सकता है।

इस स्थिति में सरकार और RBI को तुरंत सख्त नियम लागू करने की आवश्यकता है। NBFCs और बैंकों दोनों पर कड़े नियंत्रण की जरूरत है, क्योंकि इनमें जनता का पैसा लगा हुआ है। यदि यह पैसा डूबा, तो अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। मेरा सुझाव है कि सरकार को नए NBFC लाइसेंस जारी करने पर तुरंत रोक लगानी चाहिए और वर्तमान में कार्यरत NBFCs की सघन जाँच करनी चाहिए। विशेष रूप से, एनपीए की स्थिति की फॉरेंसिक ऑडिट के माध्यम से समीक्षा की जानी चाहिए। यदि कोई NBFC IPO(पब्लिक इश्यू) लेकर आ रही है, तो उनकी लोन क्वालिटी और रिकवरी क्षमता की गहन जाँच होनी चाहिए, ताकि वे भविष्य में DHFL जैसी स्थिति में न पहुँच जाएं। मैं न तो बैंकों के खिलाफ हूँ और न ही NBFCs के खिलाफ। मेरा उद्देश्य केवल व्यापार और उद्योग जगत के हित में सरकार को सचेत करना है, ताकि जो गलतियाँ हो रही हैं, उन्हें सुधारा जा सके। सरकार से मेरी अपील है कि इस स्थिति पर पूरा ध्यान दे और बैंकिंग व NBFC सेक्टर को एक सख्त और व्यवस्थित ढाँचे में लाए।

धन्यवाद,

सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
जयपुर, राजस्थान

भीमसर का मुस्लिम युवा गांव-गांव जाकर दे रहा स्वामी विवेकानंद का संदेश

डॉ. जुल्फिकार ने अब तक राजस्थान में 56439 युवाओं तक विवेकानंद का संदेश पहुंचाया

झुंझुनूं, (निसं)। युवाओं के आदर्श कहे जाने वाले स्वामी विवेकानंद के विचारों से भीमसर का मुस्लिम युवा इस तरह प्रभावित हुआ कि उसने स्वामी विवेकानंद पर पीएचडी ही नहीं की, बल्कि उन पर पांच पुस्तकें लिखकर उनके विचारों को गांव-गांव में युवाओं तक पहुंचाने का लक्ष्य बनाते हुए रोज गांव-ढाणियों में जाकर युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों के बारे में युवाओं को जानकारी दे रहा है।

भीमसर गांव के रहने वाले शोधकर्ता डॉ. जुल्फिकार स्वामी विवेकानंद के विचारों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मुस्लिम होने के बावजूद न केवल स्वामी विवेकानंद पर पीएचडी की बल्कि जीवनभर के लिए उनके विचार अपना लिए हैं। पिछले पांच साल से राष्ट्रीय युवा दिवस पर एक बड़ा लक्ष्य रखते हुए प्रदेशभर में स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और उनके संदेश को व्यापक बनाने के लिए प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों, शहरों व गांवों में स्वामी विवेकानंद के संदेश लिखे कैलेंडर निशुल्क वितरित कर रहे हैं। डॉ. जुल्फिकार ना केवल स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानते हैं, बल्कि पिछले कई सालों से स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। राजस्थान में इस बार 10 हजार युवाओं को नये वर्ष का स्वामी विवेकानंद कैलेंडर-2025 निशुल्क वितरित किया जा रहा है, जिसमें से अब तक प्रदेश के कई जिलों सहित झुंझुनूं, भीमसर, जाबासर, नूआं, धंधूरी, क्यामसर सहित कई गांवों में अब तक 6439 निशुल्क विवेकानंद कैलेंडर वितरित कर चुके हैं। इससे पहले भी पांच सालों में दिल्ली सहित प्रदेशभर में अलवर, जयपुर, सीकर, चूरू, हनुमानगढ़ सहित अन्य जिलों के साथ-साथ झुंझुनूं के राजकीय-गैर राजकीय विद्यालयों, वेद विद्यालयों, मदरसों, महाविद्यालयों व विश्व विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को देने के साथ करीब 35 गांवों में 50 हजार विवेकानंद कैलेंडर निशुल्क वितरित कर चुके हैं। उनका लक्ष्य एक लाख युवाओं तक स्वामीजी के संदेश को पहुंचाने का है। 2025 का यह विवेकानंद कैलेंडर युवाओं को अपनी शक्ति पहचानने और उनको नई ऊर्जा से काम करने के लिए प्रेरित करता है।

शोधकर्ता डॉ. जुल्फिकार विद्यालयों, वेद विद्यालयों, मदरसों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को विवेकानंद कैलेंडर निशुल्क देते हैं।

- **डॉ. जुल्फिकार ने स्वामी विवेकानंद पर पीएचडी ही नहीं की, बल्कि पांच पुस्तकें भी लिखी है**

राजस्थान प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा कल, तैयारियां पूरी

- **2045 परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राजस्थान प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा 2 फरवरी को प्रथम पारी में दोपहर 12 से 3 बजे तक आयोजित होगी। प्रदेश भर में 2045 परीक्षा केंद्रों पर करीब 6 लाख 75 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि परीक्षा 38 जिला मुख्यालयों और 49 उपखंडों में यह परीक्षा आयोजित होगी।

प्रदेशभर में कुल 87 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। अजमेर जिला मुख्यालय में 127 परीक्षा केंद्रों पर 43 हजार 77 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। जिले के 102 केंद्र अजमेर शहर में, 11 किशनगढ़ में और 14 केकड़ी में बनाए गए हैं।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट और एसएसओ पोर्टल पर जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुंचना अनिवार्य होगा। प्रवेश सुबह 11 बजे तक ही दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को रंगीन प्रिंट वाला मूल आधार कार्ड लाना होगा। यदि आधार कार्ड की फोटो अस्पष्ट हो, तो अन्य मूल फोटो पहचान पत्र भी मान्य होगा।

जोधपुर में तीन दिवसीय मुद्रा प्रदर्शनी शुरू

जोधपुर, (कासं)। मारवाड़ कॉइन सोसाइटी की तरफ से तीन दिवसीय मारवाड़ मुद्रा महोत्सव शुक्रवार को माहेश्वरी जनोपयोगी भवन रातानाडा में शुरू हुआ। यह प्रदर्शनी दो फरवरी तक चलेगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन जोधपुर रेंज के आईजी विकास कुमार ने फीता काटकर किया।

मारवाड़ कॉइन सोसाइटी जोधपुर अध्यक्ष रामस्वरूप विश्नोई ने बताया कि पहली बार जोधपुर में सोसाइटी की ओर से इस तरह का मुद्रा महोत्सव आयोजित किया गया है। इसमें शहरवासियों के लिए निशुल्क एंट्री रखी गई है। सुबह दस से शाम पांच बजे तक शहरवासी यहां आकर मुद्रा प्रदर्शनी को देख सकते हैं।

इसमें पुराने रियासतकालीन सिक्के, मुगलकालीन, अंग्रेजी सरकार के समय से लेकर दो से पांच हजार साल पहले के सिक्के देखने के लिए रखे गए हैं। इसमें देशभर से मुद्रा कलेक्शन करने वाले करीब लोग शामिल हुए हैं।

राहगीर, वाहन चालक एवं छात्र-छात्रायें गंदे पानी में से निकलने को मजबूर

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर कस्बे में रेलवे फाटक के पास लंबे समय से वार्ड नंबर 33, 34, 35 का नालियों का गंदा पानी रेलवे लाइन के नीचे से होकर प्रजापति भवन बालाजी मंदिर के पास इकट्ठा हो रहा है। समस्या को लेकर वार्ड के पार्षद पवन प्रजापत ने अनेक बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसको लेकर शुक्रवार को नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कुंदन देथा से वार्ड के लोगों ने समस्या को लेकर अवगत कराया। जिस पर नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता भरत गौड़ ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया, जिसको लेकर वार्ड के लोगों को संतोषजनक जवाब नहीं देने के कारण वार्ड के लोगों ने नगर पालिका के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

समस्या को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया।

वार्ड पार्षद पवन प्रजापत पार्षद प्रतिनिधि दीपाराम जाट, पार्षद राकेश प्रजापत, भाजपा नगर अध्यक्ष विष्णु प्रजापत के भाई जगदीश प्रजापत आदि ने बताया कि नगर पालिका का पूरा तंत्र फेल है ये कस्बे का मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से अनेकों राहगीर, वाहन चालक एवं स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा श्मशान घाट जाने के लिए यह मुख्य मार्ग है जहां पर मजबूरन लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है जिससे उनको भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही वार्ड के प्रमुख मांगीलाल प्रजापत ने बताया कि नगर पालिका को बार-बार अवगत कराने के बावजूद किसी और ध्यान नहीं दिया जाता। कस्बे की सबसे मुख्य मांग है जिसको नगर पालिका दरकिनार कर रही है। साथ ही वार्ड पार्षद पवन प्रजापत ने बताया कि अगर प्रशासन समय देते हुए इस समस्या की ओर ध्यान नहीं देता है तो आने वाले समय में नगर पालिका के खिलाफ जमकर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेवारी नगर पालिका की होगी। वही रेलवे विभाग को इसके बारे में वार्ड के लोगों ने अवगत कराया तो उन्होंने कहा नगर पालिका को हमने अनेकों बार नोटिस दे दिया है लेकिन नगर पालिका किसी तरह का कोई ध्यान नहीं दे रही है। वहीं रेलवे लाइन के नीचे से गंदा पानी जाने के कारण रेलवे को भी कभी भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है एवं जिस जगह पर पानी इकट्ठा होता है वह रेलवे की भूमि है लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

- **गंदे पानी की निकासी नहीं होने के कारण लोगों ने नगर पालिका के खिलाफ नारेबाजी की**
- **पालिका के अधिशासी अधिकारी को वार्ड के लोगों ने समस्या के बारे में बताया**